अकाराद्यनुक्रमणिका

सं०	अ	पृष्ठाङ्क
१	अए पियारो मत बिगाड़ो	८८
२	अए मन मेरारे	३०५
३	अंकल तेरी गई किधर	७५
४	अकल भ्रष्ट होती पलंक	७२
५	अगर आराम चाहत हो	६७
६	अगर चाहे आराम	६१
७	आग को जला जला के	२६६
८	अच्छी सोबत मिली पुण्य	३६
९	अजल का क्या भरोसा है	१८५
१०	अजब तमासा कर्म संग	२१६
११	अजि भांग पियोतो मारे	११८
१२	अब खोल दिल के चश्म	१६१
१३	अब तो नहीं छोडांगा	१३३
१४	अब पाके मानव भव रत्न	१८८
१५	अब लगा खलक मोये	७३
१६	अभिमानी प्रानी डर तो	२२८
१७	अमर कोई न छे जी	१२०
१८	अय जवानो चेतो	५२
१९	अय जवानो मानो मेरी	७६
२०	अय दिला दनिया फना	६५
२१	अयोध्या नगरी को	१६४
२२	अरे जाती है बीती यह	१८१
२३	अरे जो श्वास आता है	१३४
२४	अरे देखी तुमारी अकल	१२८
२५	अरे रहनेभी क्यों	१७६
२६	अरे सत्सङ्ग करने में	६०
२७	अर्ज पर हुक्म श्री	६७

सं०	अ	पृष्ठाङ्क
२८	अर्ज मारी साभलो हो के	२६३
२९	अर्ज मारी सांभलो हो के सा	२४६
३०	अर्ज मारी सुनियो सब	२०
३१	अवतार लिया जब भारत	२८०
३२	अहो आदसर भाषे	८४
३३	अहो मारी मानो मानो	७९
३४	अहा मुझ बन्धव प्यारा	८८
	आ	
३५	आए रूप मुनि का कर के	३००
३६	आए वेद गुरुजी लेलो	२३८
३७	आकबत के लिय तुझको	८५
३८	आकबत के वास्ते	९९
३९	आकवत से डर जरा तूं	२८८
४०	आखिर जाता छिटकाई है	१०५
४१	आज दिन फलियोरे	९२
४२	आठों पहर धंधा में	२६१
४३	आदत तेरी गई विगड़	५६
४४	आनन्द छायोरे	९२
४५	आबरू बढ़ जायगी	२९१
४६	आया रामचन्द्र महाराज	१८०
४७	आर्ज की नैया डूब रही	६८
४८	आवोजी आवो चिदानन्द	८९
	इ	
४९	इज्जत तेरी बढ़ जायगी	८३
५०	इन्ही पापियों ने देश डुबाया	२६८

सं०	इ	पृष्ठाङ्क
५१	इन्हें तुम त्यागियोरे	३२७
५२	इलम पढ़ले अय दिला	६६
५३	इस्क उससे लग गया	७१
५४	इस कर्म संग जीव	८१
५५	इस कलि काल के बीच	२८४
५६	इस जगत के बीच	६५
५७	इस तरफ तूं कर निगाह	२८६
५८	इस दुनियां के पड़दे से	३२८
५९	इस पाप कर्म से किस	२१६
६०	इस फूट ने बिगाड़ा	१३३
६१	इस हराम काम बीच	२०२
	उ	
६२	उज्वल नीति की रीति	३७
६३	उठा के देखो चशम	७६
६४	उठो ब्रादर कस कमर	५०
६५	उठो ब्रादर मिटावो फूट	१३१
	ऊ	
६६	उत्तम नर तन पाय	७४
६७	उमर तेरी सनगगग	७२
६८	उलजे जाते जा बेढंग से	२७२
६९	उलट चलने लगी दुनियां	१०६
७०	उसे मानो धारनी नार	२६६
	ऋ	
७१	ऋषभ प्रभु मांगू मोक्ष को	११

सं०	ए	पृष्ठांक
७२	एक दिन कजा जब आयगी	३०१
७३	एक धर्म साथ में	२१६
७४	ऐ दिल मौका ऐसा	१४०
७५	ऐसी देह पाई भजो	११७
७६	ऐसी पतिव्रता मिले	४
७७	ऐसे कुल लजावन	१५
७८	ऐसे चेतन को समझाना	२०४
७९	ऐसे भाग्य उदय सुबुद्धि	१२
८०	ऐसे विनाश काले विपरीत	८
	क	
८१	कजा का क्या भरोसा है	११२
८२	कदर जो चाहे दिला	६५
८३	कन्या पिता ले जाकर	१०२
८४	कन्या बेचो न शिक्षा	१०१
८५	कबज कर लो युवानी को	६१
८६	कबतक हम समझावें	९३
८७	कभी चाह की चाह	३१७
८८	कभी जालिम फला फूला	२३०
८९	कभी नेकी से दिल को	२९५
९०	कभी नैनों से पाप	३१९
९१	कभी भूल किली को	३३२
९२	कभी भूल तमाखू	३१६
९३	कभी भोगों से इस दिल	१९९
९४	कभी होटल में जाकर	३२२
९५	कम मत जानियोरे	३३६

सं०	क	पृष्ठांक
९६	कर धर्म ध्यान ले सीख	२
९७	करना जो चाहे करले	२३३
९८	कर सत्संग ऐ चेतन	५९
९९	करे जो कब्ज इस दिल	७१
१००	करो कुछ गौर दिल अन्दर	२७९
१०१	करो कोशिश ज्ञान पढ़ाने को	२३०
१०२	करो दिल में जरा विचार	९६३
१०३	करो नेकी बदा जहां में	९३
१०४	कर्म गति कहियन जावे	२२१
१०५	कर्म गति भारीरे	२३१
१०६	कर्मन की गत ज्ञाता	४७
१०७	कलि युग छायोजी	२६९
१०८	कसूर मेरा माफ करो	२१०
१०९	कहती है भूमि भारत	६४
११०	कहां लिखा तूं दे बता	२७२
१११	कहूं पंचम आरे का बयान	१५८
११२	कहे तारा अर्ज गुजारी	१४६
११३	कहे राम सुन, लक्ष्मण	३८
११४	कहे सीता सुनो रावण	११४
११५	कहे श्रीराम भरत ताई	१२४
११६	काया कर जोड़ी कहेरे	२०९
११७	काया काचीरे २ कर	२०६
११८	काया थारीरे पर पुद्गल	५
११९	काल पकड़ ले जाता है	१०८
१२०	किस भरोसे रहे दिवाना	३९
१२१	किससे तूं करता है प्यार	९०

सं०	क	पृष्ठाङ्क
१२२	कुचाल चतुर तज दीजो	१५१
१२३	केवल तेरे धर्म सहाई	१४७
१२४	कैसा आया यह कलियुग	२१७
१२५	कैसा आया यह काल	२२५
१२६	कैसा यह कर्मों का खेल	१४७
१२७	कैसा बुरा हुक्के का शोक	६४
१२८	कैसी विश्व की रेल बनी	१७६
१२९	कैसे इज्जत रहे तुमारी	१६८
१३०	कैसे वीर कजा के हुकम में	३२१
१३१	कोई नर ऐसा पैदा होय	१७३
१३२	क्या अमोल जिन्दगी का	१९६
१३३	क्यों गफलत के बीच में	१५७
१३४	क्यों गफलत में रहत दीवाना	२०२
१३५	क्यों तू इतना अकड़ के	१८३
१३६	क्यों तू भूला झूठा संसारा	१४५
१३७	क्यों पाप कमावेरे	२१
१३८	क्यों पाप का भागी बने	२८५
१३९	क्यों पानी में मल २ न्हावेरे	२४६
१४०	क्यों प्राणी के प्राण सतावेरे	२४०
१४१	क्यों बुराई पै तैने बान्धी	१८५
१४२	क्यों भूला संसार यार	२५१
१४३	क्यों भुल्यो प्रभु को नाम	६६
१४४	क्यों सोये भर नींन्द में	११७
	ग	
१४५	गम खाना चीज बड़ी है	२८३
१४६	गुणों का धारी	१५३

सं०	ग	पृष्ठाङ्क
१४७	गुरु तीरने का मार्ग	२५७
१४८	गुरु मुझे ज्ञान का प्याला	२५
१४९	गौतमजी कर अभिमान	३०७
	च	
१५०	चतुर न कीजो संग चौथा	१२५
१५१	चले जाओगे दुनियां से	२१०
१५२	चाहे अगर आराम तो तूं	२८७
१५३	चाहे जाओ दिल्ली कोटा	१९६
१५४	चाहे जितनी तूं तजबीज	२७५
१५५	चेत चेत रे चतुर	११५
१५६	चेतो चेतोरे चेतन मिली	२४७
१५७	चेतो तो जल्दी चेतलो	२००
१५८	चेतन अब चेते अवसर	४७
१५९	चेतन निज स्वरूप	३३४
१६०	चेतन थारोरे २ नहीं चेते	१७
१६१	चेतन दुनियां में देखो	२७
१६२	चेतन पाके मनुष्य जन्म	१५५
१६३	चेतन यह नर तन	२५५
	छ	
१६४	छोड़ अज्ञानीरे	३४
	ज	
१६५	जगत के बीच नारी की	३०८
१६६	जब गया बुढ़ापा छाई है	१०६
१६७	जाग बटाऊ क्यों करे मोड़ो	२४४
१६८	जाती है उम्र तुम्हारी	१६१

सं०	ज	पृष्ठांक
१६६	जिया गफलत की नींन्द	३२३
१७०	जिया साथ क्या यहां से	२८
१७१	जीवराज थैंतो आच्छो	४२
१७२	जीना तुझे यहां चार	५६
१७३	जुआं खेलों न शिक्षा	२३४
१७४	जो आनन्द मङ्गल चाओरे	२६७
१७५	जो इतनी मस्ताई है	१३५
१७६	जो खुद हो नहीं समझा	१७२
१७७	जो जोवन के हो मदमाते	२७४
१७८	जो धर्म वीर पुरुष है	२१४
१७६	जो पर की करे बुराई है	१४०
१८०	जो ब्रह्मचर्य धरता है	२११
१८१	जो वर्तमान पढ़ाई है	१३७
१८२	जो हो मोक्ष के बीच में	३१५
१८३	जो होवे सच्ची नार	१६५
	त	
१८४	तजो तुम रात का खाना	१०६
१८५	तजोरे जिया झूंठो यो संसार	११८
१८६	तपकी झुले छे तल	३११
१८७	तला से कहां उसे ढूंढे	८२
१८८	तारीफ फैले मुल्क में	२६
१८६	तीनों की फक्र लड़ाई है	१०६
१६०	तुझे जिना अगर दिनं	१०७
१६१	तुझे देवे सद्गुरु ज्ञान	१६८
१६२	तुम द्वेषता तजोरे	३०५

सं०	त	पृष्ठाङ्क
१९३	तुम्हें यहां से एक दिन	३३७
१९४	तुम रहना यहां होशियार	२४४
१९५	तुम्हारी देख के आदत	२७८
१९६	तुरत रघुनाथजी आकर	१७
१९७	तूं है कौन यह ज्ञान	३३३
१९८	तेने बातों में जन्म गमायारे	७७
१९९	तेरा चेतन यह नर तन	१७४
२००	तेरे दिल का तूं भ्रम	३३१
२०१	तेरे दिल में तो वह	३२०
२०२	तोकों वार वार समझाऊँरे	१४
२०३	तोकों वार वार समझाऊँ हो	२६
	थ	
२०४	थारो नरभव निष्फल जाय	४६
२०५	थेंतो सांचा बोलो बोल	४३
२०६	थेंतो सुणजोए वा वा	५५
२०७	थोड़े जिने पे क्यों तूं गुमान	३३६
	द	
२०८	दया करने में जिया लगाया	१२८
२०९	दया करो २ सब भारत	३२९
२१०	दया की वोवे लतां शुभ	२
२११	दया क बिदुन ए.ब्रादर	१०४
२१२	दया को पाले है बुद्धवान	२१३
२१३	दया को लेवे दिल में धार	१९२
२१४	दया धर्म का डंका दुनियां	२७९
२१५	दया धर्म का परिचय	३१२

सं०	द	पृष्ठाङ्क
२१६	दया धर्म जो करे उसीका	२६६
२१७	दया नहीं लावेरे २ पापी	२६५
२१८	दयालु भैया मेरे बे अपराध	८३
२१९	दान नित्य कीजेरे २ अणी	१५०
२२०	दारू भूलके पीने न जाया करो	३१८
२२१	दिल अपने में सोचो	६६
२२२	दिल के अन्दर है खुदा	६७
२२३	दिल में रखो विश्वास	३३०
२२४	दिल सताना नहीं रवा	५५
२२५	दिल गाफिल न रहे	११३
२२६	दीजो दान सदारे २ दीजो	३३
२२७	दुनियां के बीच आय	१९३
२२८	दुनियां तो मतलब की यार	८६
२२९	दुनियां मतलब की यारीरे	७
२३०	दुनियां में कैसे वीर थे	२८२
२३१	दुनियां से चलना है	१८७
२३२	दुनियां स्वपने सी जान	३२३
२३३	दुर्लभ नरका यह जन्म	३३८
२३४	दूर हटावो जी मच्छरता	२२०
२३५	देकर सद्बोध जगाया	३०३
२३६	देखी सुखुबी और की	१९८
२३७	देखो सुजान लट्टेने	१००
२३८	देता हूँ ज्ञान की ब्यूगल	१५९
	न	
२३९	नर तन अमुल्य प्राणी	३३८
२४०	नैनन में पुतली लड़े	२३

सं०	प	पृष्ठाङ्क
२४१	पंछी काहे को प्रीत लगावे	३४
२४२	पर त्रिया से प्रेम लगाओ	३०१
२४३	पर्यूषण पर्व आज आया	२५१
२४४	पलक२ आयु जायरे चेतनियां	१२३
२४५	पहिनों २ सखीरी ज्ञान गजरा	५७
२४६	पापिनी ममतारे ममता	११३
२४७	पापी तों पुण्य का मार्ग	२६
२४८	पापों से मुझे छुडादोरे	२२७
२४९	पा मौका सुकृत नहीं करता	१६६
२५०	पाय अब मनुष्य को	२६७
२५१	पावे न कोई पार श्रीकृष्ण	१७८
२५२	पिया की इन्तजारी में	१६१
२५३	पिया गैरों से मोहबत	२४३
२५४	पिया रंडी के जाना मना	२३७
२५५	पुरुषारथ से सिद्धि	४२
२५६	पूछे बिभिषण हित	३१
२५७	पैदा हुआ है जहां में	३०४
२५८	प्यारे गफलत की नीन्द	२७३
२५९	प्यारे दया को हृदय लो	२६२
२६०	प्यारे हिन्दू से कहना	१३०
२६१	प्रभु कीजे रक्षा हमारीरे	१५
२६२	प्रभु के भजन बिन कैसे	४८
२६३	प्रभु तेरी कृपा से बल	४०
२६४	प्रभु ध्यान से दिल को	३१३
२६५	प्रभु मुझे मुक्ति के म र्ग	२२६
२६६	प्राणीया कैसे होवेगा	२३४

सं०	प	पृष्ठाङ्क
२६७	प्राणी परदेशी अमर	२४
२६८	प्रीतम अबला की अरदास	७८
२६९	प्रीतम से पदमण नित्य	३५
२७०	प्रीत पर घर मत कीजेरे	१५३
	फ	
२७१	फँसा जो पेश के फन्दे	२२२
२७२	फानी दुनियां में कोई	३३५
२७३	फायदा इस में नहीं	२९३
२७४	फूट तज प्राणीरे	२२
	ब	
२७५	बन्द करो बन्द करो	३२६
२७६	बहिनों शिक्षा पर ध्यान	६०
२७७	बायां सुतर सुणोए	१०
२७८	बेटियां बोले छे उसवार	३१०
	भ	
२७९	भवसागर में पापी की नैया	११५
	म	
२८०	मंदोदरी कहे यूं कर	९८
२८१	मत कीजो चोरी कहे	२४२
२८२	मत कीजो दगा समझाते	९६
२८३	मत कीजो नशा सुख	२३५
२८४	मत कीजो सट्टा २	१०३
२८५	मत चाह की चाट	३१०
२८६	मत दीजो चतुर नर	१४१
२८७	मत पड़ मोहनी के फंदेरे	२२४

सं०	म	पृष्ठाङ्क
२८८	मत पञ्ची तूं बाग में	२३२
२८९	मत पड़ त्रिया के फन्द	४५
२९०	मत बेचो कन्या को	३२६
२९१	मत भूल मेरे प्यारे	१००
२९२	मत लूटो तुम जीवों के	२०२
२९३	मति लीजेरे बदनामी	१८
२९४	मथुरा में आकर जन्म	२७६
२९५	मना तूं भजलेरे भगवान्	२९१
२९६	मना रात का खाना	२९१
२९७	मना समझो अवसर	१६
२९८	मनुष्य जन्म अनमोल	२४१
२९९	मनुष्य जन्म को पायके	१२६
३००	मनुष्य पशु से श्रेष्ठ	२५२
३०१	मनुष्यों की जिन्दगी	१४१
३०२	महावीर का फरमान	९८
३०३	महावीर जिनेश्वरा	१
३०४	महावीर ने अहिंसा का	३११
३०५	महावीर से ध्यान	२९६
३०६	महिमा फैलीरे अरणी	१५६
३०७	माता कहे उसवार	३०८
३०८	माथे गाजेरे या फोज	३२
३०९	मान मत करना कोई	२२९
३१०	मान मन मेरा कहा	२७४
३११	मान मन मेरा कहा	२८६
३१२	माना हुआ है सुख	१४२
३१३	माने मात पिता की	३८

सं०	नाम	पृष्ठाङ्क
३१४	मानो यह कहन हमारीरे	१३
३१५	माया दुनियां की है	१६
३१६	मारा वीर प्रभुका	२६४
३१७	मारे मन्दरिये वेरगने	२२
३१८	मालिक का सुनलो	६६
३१९	मांस अभक्ष नर का	१३२
३२०	मिली कैसी अमोल	३३१
३२१	मिले गर बादशाही लो	३३६
३२२	मिले पाप उदय कुलक्ष	३१
३२३	मुगत में सुख है	१२६
३२४	मुझे कौन बतावेगा	१४१
३२५	मुझे गुरुजी बतावेगा	१५१
३२६	मुझे भूल के जालिम	३२४
३२७	मुंद्दका मुझ करकी	४१
३२८	मुसाफिर यहां से	७६
३२९	मेरा तो धर्म कहने का	८६
३३०	मेरा पिय गिरनारी	१७७
३३१	मेरा प्यारा सान राजु पै	१७५
३३२	मैं कैसे करूं अररर	१८४
३३३	मैं कैसे करूं अररर	१८६
३३४	मैंतो आई शरण	४
३३५	मैंतो मूंजी छुं साहुकार	१८
३३६	मैंतो हूजी औगुन गारो	२४
३३७	मैं दिलोजान से कहतीरे	३२
३३८	मने अच्छी तरह से	१२६
३३९	मोटाने पवो करवो	१२०
३४०	मोरा दे भैया प्यारा	२०७

सं०	य	पृष्ठाङ्क
३४१	यह अधम उधारन जन्म	२०६
३४२	यह इश्क बुरा पर नार का	१८७
३४३	यह तारा रानी प्राण से	१४४
३४४	यह मनुष्य जन्म पुराय	२१२
३४५	यह मोह सतान की जाई	६६
३४६	यह सद्गुरु सीख सुनाई	२३८
३४७	यह सदा एकसी नाय	३१४
३४८	यह सातों व्यसन बहुत	२०७
३४९	या नवधा भक्ति धारो	११२
३५०	याही की याही की बात	२१६
३५१	ये कर्म दल को तोड़ने में	८
	र	
३५२	रसना सीधी बोल	२०१
३५३	रहम करले अय दिला	६
३५४	राजन मानरे मान मान	२६६
	ल	
३५५	लगाओ ध्यान प्रभु	१०३
३५६	लगा जो तीर लक्ष्मण के	१२६
३५७	लगाता दिल तूं किसपर	५८
३५८	लछमन अर्ज करे हित	११६
३५९	लाओजी लाओ तुम	८५
३६०	लाखों कामी पिट चुके	८७
३६१	लाखों पापी तिर गए	४६
३६२	लाखों प्राणी तिर गए	२८
३६३	लाखों व्यसनी मर गए	६३

सं०	ल	पृष्ठाङ्क
३६४	लीजे देश सुधार	२२७
३६५	लेकर चुड़ मणी हनुमान	४१
३६६	लेसंग खरचीरे	६
३६७	लो तन को धोए क्या	३
३६८	लोभ जबर जगत में	२०३
	व	
३६९	वक्र हरगिज न सोने की	२४३
३७०	वय पलटावेरे या	१५४
३७१	वही शूरवीर जो इस	७०
३७२	वारी ज कुंजी सत गुरु	२४५
३७३	विद्या पढ़ने में जिया	७४
३७४	विवेकी हो न टेकी हो	२२३
३७५	विषम वाट ने उलंघने	२३९
३७६	विषय अनरथ कारी	२९२
३७७	वीर ने फरमा दिया	२९८
३७८	वीर प्रभु का मैंतो	२९८
३७९	व्यसन बाज सातों की	१८९
	श	
३८०	शान्ति जिनन्द्रजी ओ	२५८
३८१	शान्ति शान्तिं शान्ति	२९८
३८२	शुभा शुभा जो किये	४९
३८३	श्यां दिल हो जायगा	८०
३८४	शिक्षा धारियो रे	३२५
३८५	श्री ऋषभ देव भगवान्	२५१
३८६	श्री चौवीसी जिनराज	२४९

सं०	श	पृष्ठ अङ्क
३८७	श्री जादुपति महाराज	२५७
३८८	श्री वीर प्रभु से विनति	२६४
३८९	श्री श्री महावीर गुण धीर	२५४
३९०	श्री संघ से विनय कर के	२६७
	स	
३९१	सकल संसार को जानो	६२
३९२	सखी गिरनारी की	२२२
३९३	सखी बात पर क्यों न	३१६
३९४	सखी मान कहन तूँ	४४
३९५	सखी सत्य देऊं मैं	५१
३९६	सख्त दिल हो जायगा	६८
३९७	संगत कर लेरे साधु की	१११
३९८	सच्चे देव वही तुम जानो	३२९
३९९	सज्जन तुम नेकी कर लेना	५४
४००	सज्जन तुम झूंठ मत बोलो	१२३
४०१	सज्जन तेरी उच्च जाती	५६
४०२	सज्जन मत बान्धो कर्म	१६४
४०३	सती सीताजी धीज करे	६१
४०४	सत्य कठिन करारी	१४२
४०५	सत्य कभी तजना नहीं	१२
४०६	सत्य धरजो सब मानवी	१४८
४०७	सत्य धर्म धारोरी बहना	४८
४०८	सत्य बात के कहे बिना	६६८
४०९	सत्य मत हारणारे	१४
४१०	सत्य शिक्षा सुनता नाहीं	१०४
४११	सदा जो धर्म पर रहती	६४

सं०	स	पृष्ठाङ्क
४१२	सदा यहां रहना नहीं	५८
४१३	सद्गुरु देवे ज्ञान अञ्जन	१६५
४१४	सन्ता नुगरा का नहीं	११६
४१५	सब नर धारोरे	२६६
४१६	सब मतलब को संसार	११२
४१७	सब से बड़ा है ज्ञान	१६२
४१८	सबर नर को आती नहीं	६१
४१९	सर्व पापों बीच में	२६३
४२०	सर्वो परिहित कारिणी है	३०
४२१	साथे आसीरे सुन	२०
४२२	साफ हम कहते तुझे	२१०
४२३	सांभल हो गौतम	२६०
४२४	सांभल हो श्रावक	२५६
४२५	सासुजी थांकी बड़ी	२६३
४२६	सिया को सासुजी लेक	५२
४२७	सिया दूंगा नहीं हाँ	३०२
४२८	सिवा सीता तेरे बोले	११४
४२९	सीख सत गुरु ने कया	१५२
४३०	सीता प्रीतम को पांछी	११६
४३१	सुकृत करलेरे माया	१२७
४३२	सुख सम्पत की गर	२८१
४३३	सुगड़ मानवी होके	२४८
४३४	सुगुरु संघ धार धाररे	२१५
४३५	सुन मनुवा मेरा ध्यान	२८१
४३६	सुन लखन उठे जोश	३१

सं०	स	पृष्ठांङ्क
४३७	सुनरे तूं चेतन प्यारे	१६०
४३८	सुनिये प्रभु विनय	६
४३६	सुनो रावण मेरी	१७१
४४०	सुनो सब जहां के	७८
४४१	सुनो सुजान सत्य की	१४५
४४२	सुन्दर झूंठो जग लियो	८२
४४३	सुन्दर सांचीए २ जो पति	६२
४४४	सुन्दर हित की दूं मैं	५३
४४५	सुमति जब आवेगा	२३६
४४६	सुयश लीजेरे २ मनुष्य	२५०
४४७	सेलानी जीवड़ा क्यों तूं	२२५
४४८	सोये हो किस नींद में	२०८
४४६	सोच दिल में जरा	१६८
४५०	सोच नर इस झूंठ से	२८४
४५१	सौवत सन्तन की ऐसी	१३५
४५२	संयम धारी महाराज	२५३
४५३	संसार है असार तूं	२०५
४५४	स्वामी मेरा कैसा जबर	१६७

ह

४५५	हे प्रभु पार्श्व जिनन्द	२६०
४५६	हो मानी मानो क्यों नहीं	४६
४५७	हो सरदार थेंतो दारुड़ा	४४
४५८	हंसजी आठ कर्म के	१८२
४५६	हंसजी थें मत जावो	१३२